JNPA's Digital Twin Project Awarded to M/s Softtech Engineers Limited

Mumbai, September 25th ,2026: Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) - India's largest container port, has taken a significant step towards transforming its operations through the implementation of a state-of-the-art Digital Twin platform aimed at optimizing operational requirements and facilitating trade. A work order has been awarded to M/s Softtech Engineers Limited for the implementation of the Digital Twin project at JNPA at a cost of ₹92.95 Crores.

Providing information about the digital twin project, **Shri Gaurav Dayal, IAS, Chairperson, JNPA,** highlighted, *"The core functionalities of the Digital Twin platform are targeted to be implemented by February 2027 and will be fully operational by February 2028. The initiative is expected to revolutionize port operations by creating a real-time digital replica of port assets, infrastructure, and operational activities, enabling proactive decision-making and enhanced operational efficiency."*

Further providing insights into the digital twin project, **Shri Ravish Kumar Singh, Dy. Chairperson, JNPA,** explained, *"The Digital Twin will transform the way port operations are monitored, planned and optimised by bringing real-time data and predictive intelligence into a single operational environment. It will enhance vessel traffic management, improve cargo and logistics flows, support vehicular decongestion and enable predictive maintenance of critical infrastructure."*

Highlights of the Digital Twin Initiative:

- Predictive Maintenance of Infrastructure to minimize downtime, optimize asset performance, and extend the lifecycle of critical infrastructure.
- Safety & Security Enhancement through advanced surveillance, monitoring, and incident management capabilities.
- Monitoring of Green Cover, Air Quality & Water Quality to support sustainability objectives and strengthen environmental stewardship.
- Enhanced Decision-Making & Strategic Planning through data-driven insights, predictive analytics, and integrated operational dashboards.
- Regulatory Compliance & Reporting by enabling automated monitoring, reporting, and adherence to statutory requirements.

The Digital Twin initiative is expected to improve operational efficiency, asset utilization, environmental sustainability, safety, and overall service delivery, thereby strengthening JNPA's position as a leading smart and future-ready port while facilitating seamless trade and logistics operations.

*****

About Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA):

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of India's premier container-handling ports and a key gateway for the country's EXIM trade.
JNPA currently operates five container terminals — NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The port also has a shallow water berth for general cargo, operated by NSDT. Its liquid cargo facilities include a terminal managed by the BPCL-IOCL consortium and an additional liquid cargo terminal developed by JNPA and operated by M/s JSW-JNPT Liquid Terminal Pvt. Ltd. The port's coastal berth further strengthens maritime connectivity with other Indian ports and supports the growth of coastal cargo and container movement.

Spread across 277 hectares, JNPA also operates a strategically located multi-product Special Economic Zone (SEZ) equipped with modern infrastructure and facilities to support export-oriented industries and promote trade and investment.

Looking ahead, JNPA is developing the Vadhvan Port, an all-weather, deep-draft, greenfield port in Maharashtra and the 13th Major Port of India.

For media enquiries, please contact:
Ambika Singh |Sr. Manager (Marketing), JNPA
+91 9920372677 | ambikasingh@jnport.gov.in

JN Port: www.jnport.gov.in |LinkedIn: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority
X: @JNPort |Instagram: @jnpaport | Facebook: @JNPA

जेएनपीए की डिजिटल ट्विन परियोजना का कार्यादेश मेसर्स सॉफ्टटेक इंजीनियर्स लिमिटेड को प्रदान किया गया।

मुंबई, 25 सितंबर 2026: भारत के सबसे बड़े कंटेनर पत्तन, जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) ने अपनी पत्तन प्रचालन प्रणाली को आधुनिक और अधिक कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रचालन आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने तथा व्यापार को सुगम बनाने के उद्देश्य से अत्याधुनिक डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म लागू किया जा रहा है। जेएनपीए में डिजिटल ट्विन परियोजना के क्रियान्वयन के लिए मेसर्स सॉफ्टटेक इंजीनियर्स लिमिटेड को ₹92.95 करोड़ की लागत से कार्यादेश प्रदान किया गया है। यह परियोजना पत्तन की कार्यप्रणाली को अधिक डेटा-आधारित, कुशल और प्रभावी बनाने तथा व्यापार एवं रसद प्रचालन को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

डिजिटल ट्विन परियोजना की जानकारी देते हुए जेएनपीए के अध्यक्ष **श्री गौरव दयाल, भा.प्र.से.** ने कहा, *"डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म की प्रमुख कार्यक्षमताओं को फरवरी 2027 तक लागू करने तथा फरवरी 2028 तक इसे पूर्ण रूप से प्रचालन में लाने का लक्ष्य है। यह पहल पत्तन की परिसंपत्तियों, बुनियादी ढाँचे और परिचालन गतिविधियों की वास्तविक समय डिजिटल प्रतिकृति तैयार करेगी। इससे स्थिति का पूर्वानुमान लगाकर समय पर निर्णय लेना संभव होगा और पत्तन प्रचालन की समग्र दक्षता में सुधार आएगा।"*

डिजिटल ट्विन परियोजना के बारे में अधिक जानकारी देते हुए जेएनपीए के उपाध्यक्ष **श्री रविश कुमार सिंह, भा. रे. या. से.,** ने कहा, *"डिजिटल ट्विन के माध्यम से वास्तविक समय के डेटा और पूर्वानुमानात्मक विश्लेषण को एकीकृत प्रचालन प्रणाली में लाकर पत्तन की निगरानी, योजना और प्रचालन को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। इससे जलयान यातायात प्रबंधन बेहतर होगा, माल एवं रसद के प्रवाह को सुगम बनाने में मदद मिलेगी, पत्तन परिसर में वाहनों की भीड़ को कम किया जा सकेगा तथा महत्वपूर्ण पायाभूत सुविधाओं की पूर्वानुमानाधारित देखभाल को सक्षम बनाया जाएगा।"*

डिजिटल ट्विन उपक्रम की प्रमुख विशेषताएँ

- **महत्वपूर्ण बुनियादी सुविधाओं की पूर्वानुमानाधारित देखभाल:** संभावित खराबियों का समय रहते पता लगाकर डाउनटाइम कम करना, परिसंपत्तियों की कार्यक्षमता को बेहतर बनाना तथा महत्वपूर्ण बुनियादी सुविधाओं की दीर्घकालीन उपयोगिता सुनिश्चित करना।
- **सुरक्षा एवं संरक्षा में वृद्धि:** उन्नत निगरानी, मॉनिटरिंग और घटना प्रबंधन क्षमताओं के माध्यम से पत्तन की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना।
- **हरित क्षेत्र, वायु एवं जल गुणवत्ता की निगरानी:** पर्यावरणीय स्थिति की निरंतर निगरानी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करना तथा पर्यावरणीय लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से हासिल करने में सहायता करना
- **निर्णय-प्रक्रिया एवं रणनीतिक नियोजन को बेहतर बनाना:** डेटा-आधारित जानकारी, पूर्वानुमानात्मक विश्लेषण और एकीकृत प्रचालन डैशबोर्ड के माध्यम से अधिक सटीक एवं समयबद्ध निर्णय लेने में सहायता करना।
- **नियामकीय अनुपालन एवं रिपोर्टिंग को सुगम बनाना:** स्वचालित निगरानी और रिपोर्टिंग के माध्यम से वैधानिक आवश्यकताओं के अनुपालन को अधिक प्रभावी, व्यवस्थित और पारदर्शी बनाना।

डिजिटल ट्विन उपक्रम से पत्तन की प्रचालन दक्षता, परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग, पर्यावरणीय संरक्षण, सुरक्षा तथा समग्र सेवा वितरण में सुधार होने की अपेक्षा है। इसके माध्यम से जेएनपीए की एक अग्रणी, स्मार्ट और भविष्य के लिए तैयार पत्तन के रूप में भूमिका और मजबूत होगी तथा व्यापार एवं रसद प्रचालन को अधिक सुगम और निर्बाध बनाने में सहायता मिलेगी।

*****

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर हैंडलिंग पतनौ में से एक है।26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों एन.एस.एफ.टी, एन.एस.आई.सी.टी, एन.एस.आई.जी.टी, बी.एम.सी.टी और ए.पी.एम.टी का संचालन करता है| पत्तन में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है।इसका संचालन न्हावा शेवा डिस्ट्रीब्यूशन टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (एनएसडीटी) द्वारा किया जाता है। जेएनपीए पत्तन परिसर में स्थित एक तरल कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बीपीसीएल-आईओसीएल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है, जबकि जेएनपीए द्वारा विकसित अतिरिक्त तरल कार्गो टर्मिनल का प्रचालन मेसर्स जेएसडब्ल्यू-जेएनपीटी लिक्विड टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, नव-निर्मित तटीय बर्थ देश के अन्य पत्तनों को जोड़ने के साथ-साथ तटीय कंटेनर यातायात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया बहु-उत्पाद विआक्षे भी संचालित करता है।

जेएनपीए, महाराष्ट्र में भारत के 13वें महा पत्तन, वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे डुबाव वाला, ग्रीनफील्ड पतन भी विकसित कर रहा है। इसके वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 पत्तनो में शामिल होने की संभावना है, यह इसके स्थापना से ही 100% हरित पत्तन होगा।

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर जाएँ:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in | लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort | इंस्टाग्राम: @jnpaport | फेसबुक: @JNPA

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

अंबिका सिंह | वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जनेप प्राधिकरण

मोबाइल नंबर: +91 9920372677 | ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

जेएनपीएच्या डिजिटल ट्विन प्रकल्पाचे कंत्राट मे. सॉफ्टटेक इंजिनिअर्स लिमिटेडला प्रदान

मुंबई, 25 सप्टेंबर 2026: भारतातील सर्वात मोठ्या कंटेनर बंदरांपैकी अग्रणी असलेल्या जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरणाने (जेएनपीए) आपल्या बंदर कार्यप्रणालीत डिजिटल परिवर्तनाला चालना देण्यासाठी अत्याधुनिक डिजिटल ट्विन प्लॅटफॉर्मच्या अंमलबजावणीच्या दिशेने महत्त्वपूर्ण पाऊल उचलले आहे. कार्यप्रणाली अधिक सक्षम व कार्यक्षम करण्यासोबतच व्यापार सुलभ करण्याच्या उद्देशाने हा प्रकल्प राबविण्यात येणार आहे. या डिजिटल ट्विन प्रकल्पाच्या अंमलबजावणीसाठी मे. सॉफ्टटेक इंजिनिअर्स लिमिटेड यांना ₹92.95 कोटींचा कार्यादेश देण्यात आला आहे. या प्रकल्पाच्या माध्यमातून जेएनपीएच्या विविध कार्यप्रणालींचे रिअल-टाइम निरीक्षण, विश्लेषण आणि नियोजन अधिक प्रभावीपणे करता येणार असून, बंदराच्या एकूण कार्यक्षमतेत आणि व्यापार सुलभतेत सुधारणा घडवून आणण्यास मदत होणार आहे.

डिजिटल ट्विन प्रकल्पाची माहिती देताना जेएनपीएचे अध्यक्ष **श्री. गौरव दयाल, भा.प्र.से.** यांनी सांगितले, *"डिजिटल ट्विन प्लॅटफॉर्मची प्रमुख कार्यक्षमता फेब्रुवारी २०२७ पर्यंत कार्यान्वित करण्याचे उद्दिष्ट असून, फेब्रुवारी २०२८ पर्यंत हा प्लॅटफॉर्म पूर्णपणे कार्यरत होईल. या उपक्रमामुळे बंदरातील पायाभूत सुविधा आणि कार्यप्रणालीची रिअल-टाइम डिजिटल प्रतिकृती उपलब्ध होणार आहे. त्यातून परिस्थितीचा अधिक अचूक अंदाज घेऊन वेळेवर निर्णय घेणे शक्य होईल आणि बंदराच्या एकूण कार्यक्षमतेत लक्षणीय सुधारणा घडून येईल. डिजिटल ट्विनच्या माध्यमातून जेएनपीएच्या बंदर कार्यप्रणालीत अधिक स्मार्ट, डेटा-आधारित आणि कार्यक्षम व्यवस्थापनाला चालना मिळेल."*

डिजिटल ट्विन प्रकल्पाबाबत अधिक माहिती देताना जेएनपीएचे उपाध्यक्ष **श्री. रविश कुमार सिंह** भा. रे. वा. से., यांनी सांगितले, *"डिजिटल ट्विनच्या माध्यमातून रिअल-टाइम डेटा आणि प्रेडिक्टिव्ह इंटेलिजन्स एका एकात्मिक प्रणालीमध्ये उपलब्ध होणार असून, बंदरातील कार्यप्रणालीचे निरीक्षण, नियोजन आणि अनुकूलन अधिक प्रभावीपणे करता येईल. यामुळे जहाज वाहतूक व्यवस्थापन अधिक सक्षम होण्यासोबतच माल हाताळणी व लॉजिस्टिक्सचा प्रवाह सुरळीत होईल, बंदर परिसरातील वाहनांची वाहतूक कोंडी कमी करण्यास मदत होईल आणि महत्त्वाच्या पायाभूत सुविधांची पूर्वानुमानाधारित देखभाल शक्य होईल. परिणामी, बंदराच्या कार्यक्षमतेत आणि कार्यप्रवाहाच्या प्रभावी व्यवस्थापनात सुधारणा होईल."*

डिजिटल ट्विन उपक्रमाची ठळक वैशिष्ट्ये

- पायाभूत सुविधांची पूर्वानुमानाधारित देखभाल: संभाव्य बिघाडांचा आधीच अंदाज घेऊन डाउनटाइम कमी करणे, मालमत्तेची कार्यक्षमता वाढवणे आणि महत्त्वाच्या पायाभूत सुविधांची दीर्घकालीन कार्यक्षमता वाढवणे.
- सुरक्षा व संरक्षिततेत वाढ: प्रगत पाळत ठेवणे, रिअल-टाइम मॉनिटरिंग आणि घटना व्यवस्थापनाच्या माध्यमातून बंदरातील सुरक्षा व्यवस्था अधिक सक्षम करणे.
- हरित क्षेत्र, हवा व पाण्याच्या गुणवत्तेचे निरीक्षण: पर्यावरणीय स्थितीचे सातत्याने निरीक्षण करून शाश्वततेची उद्दिष्टे साध्य करण्यास आणि पर्यावरणीय जबाबदारी अधिक प्रभावीपणे पार पाडण्यास मदत करणे.
- निर्णयप्रक्रिया व धोरणात्मक नियोजन अधिक सक्षम करणे: डेटा-आधारित माहिती, पूर्वानुमानात्मक विश्लेषण आणि एकात्मिक ऑपरेशनल डॅशबोर्डच्या माध्यमातून अधिक अचूक व वेळेवर निर्णय घेण्यास सहाय्य करणे.
- नियामक अनुपालन व अहवाल प्रणाली सुलभ करणे: स्वयंचलित निरीक्षण व अहवालनिर्मितीद्वारे वैधानिक आवश्यकतांचे पालन अधिक कार्यक्षम आणि पारदर्शक पद्धतीने सुनिश्चित करणे.

डिजिटल ट्विन उपक्रमामुळे जेएनपीएच्या कार्यप्रणालीची कार्यक्षमता, पायाभूत सुविधांचा व मालमत्तेचा अधिक प्रभावी वापर, पर्यावरणीय शाश्वतता, सुरक्षा आणि एकूण सेवा वितरणात सुधारणा होण्याची अपेक्षा आहे. या उपक्रमामुळे जेएनपीएची स्मार्ट आणि भविष्यासाठी सज्ज बंदर म्हणून असलेली भूमिका अधिक बळकट होण्यासोबतच व्यापार व लॉजिस्टिक्सची कार्यप्रणाली अधिक सुरळीत आणि कार्यक्षम होण्यास मदत होईल.

*****

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) विषयी माहिती:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. 26 मे 1989 रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते एन एस एफ टी, एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी. न्हावा शेवा डिस्ट्रिब्युशन टर्मिनल प्रा. लि. (एनएसडीटी) द्वारे संचालित सामान्य मालासाठी एक उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल आयओसीएल कन्सोर्टियम द्वारे व्यवस्थापित केले जाते आणि जेएनपीएने विकसित केलेले अतिरिक्त लिक्विड कार्गो टर्मिनल मेसर्स जेएसडब्ल्यू - जेएनपीटी लिक्विड टर्मिनल प्रा. लि. द्वारे चालवले जाते. या व्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजी पूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जेएनपीए वाढवण येथे एक सर्व-हवामान, डीप ड्राफ्ट, ग्रीनफिल्ड बंदर विकसित करत आहे, जे महाराष्ट्रातील भारताचे १३वे मोठे बंदर असेल. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ट १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

अंबिका सिंग | सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677 | ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

अधिक माहितीसाठी आमच्या वेबसाइट आणि सोशल मीडियाला भेट द्या:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in | लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort | इंस्टाग्राम: @jnpaport | फेसबुक: @JNPA